ठाकुर जी विराजे ओ बाडिया के मायने

ठाकुर जी विराजे ओ,
बाडिया के मायने,
आवे भगता की भिड़ अपार,
कारज सारो आईने।bd।

सीकर मंदिरयो है,
ठाकुर जी को जोर को,
अरे थारे चमक रिया हे काच,
मंदिर के मायने।bd।

मूरत मनोहर हे,
गणी वो लागे जोर की,
बैठा द्वारिका रा नाथ,
द्वारिका सु आइने।bd।

गावा गावा के माय,
ठाकुरजी जावे पावना,
अरे गना नाचे रे उड़ावे गुलाल,
बंदौली के मायने।bd।

हर पूनम ने वो,
गणा तो आवे जातरी,
सब मिट जावे दु:ख संताप,
सरण पड़े आयने।bd।

भोग लगावे वो,
छपन भोग को,
करे भगत प्रसादिया अपार,
दुरासु थारे आयने।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नरेश प्रजापत वो,
सरण मे आवियो,
शम्भू कुमावत भजन सुनाय,
भेरूखेड़ा सु आयने।bd।

ठाकुर जी विराजे ओ,
बाडिया के मायने,
आवे भगता की भिड़ अपार,
कारज सारो आईने।bd।

गायक – नरेश प्रजापत।
प्रेषक – शंभू कुमावत दौलतपुरा।
9981101560

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com